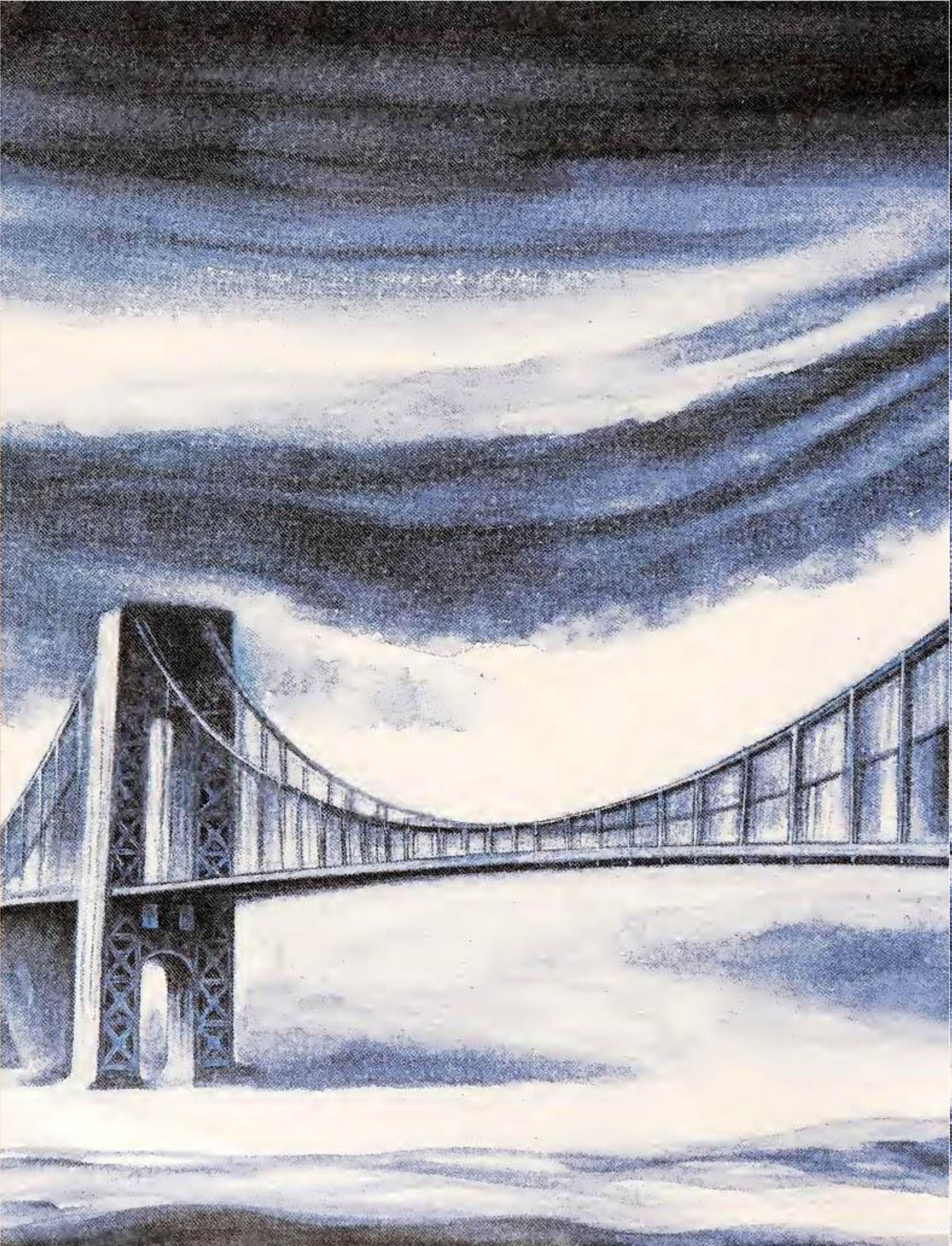
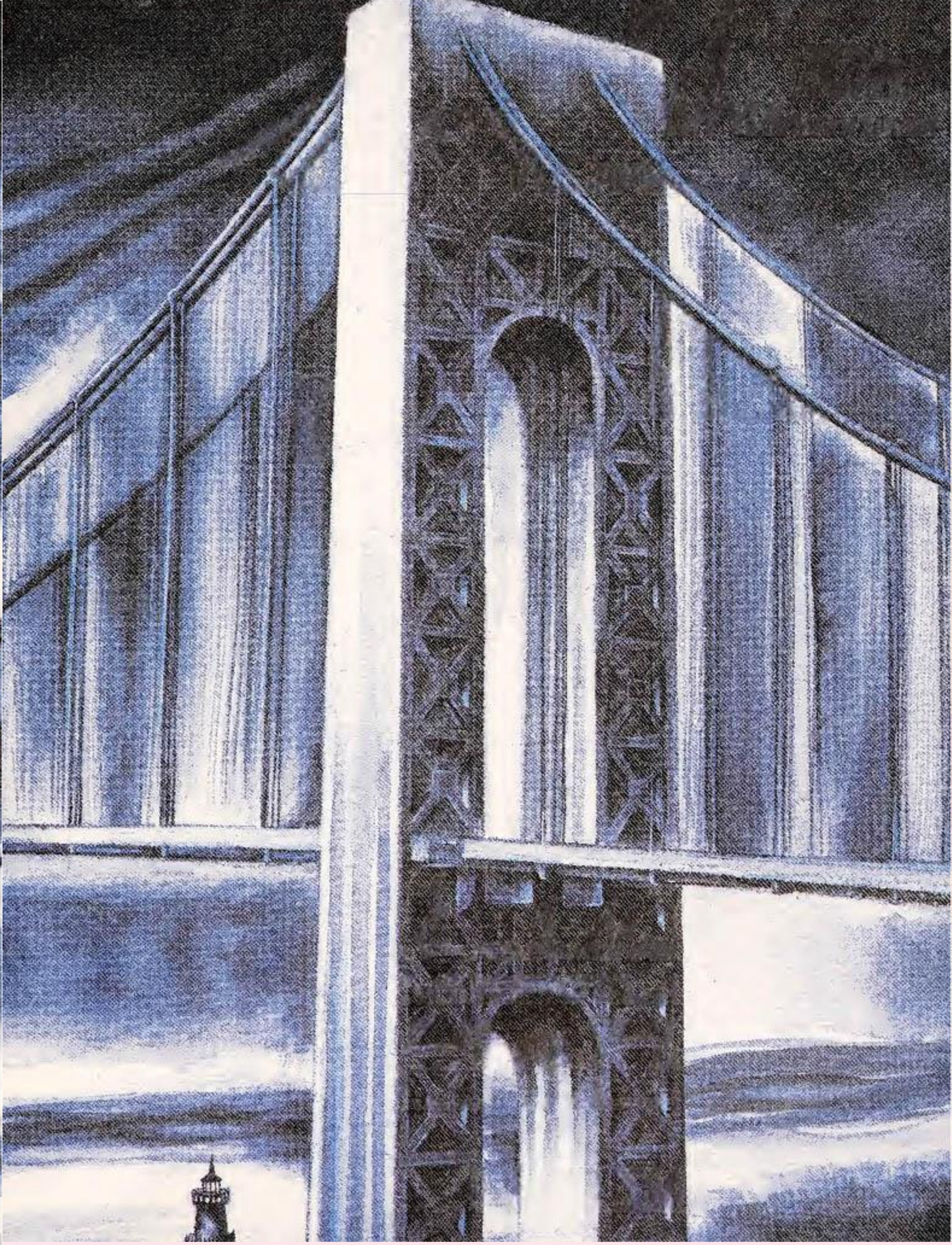
छोटा लाल लाइटहाउस और विशाल स्टील का पुल

हिल्डेगार्ड स्विफ्ट और लिंड वार्ड







छोटा लाल लाइटहाउस
और विशाल स्टील का पुल

हिल्डेगार्ड स्विफ्ट और लिंड वार्ड

एक बार हडसन नदी के किनारे के एक नुकीले सिरे पर एक छोटा लाइटहाउस बनाया गया था.

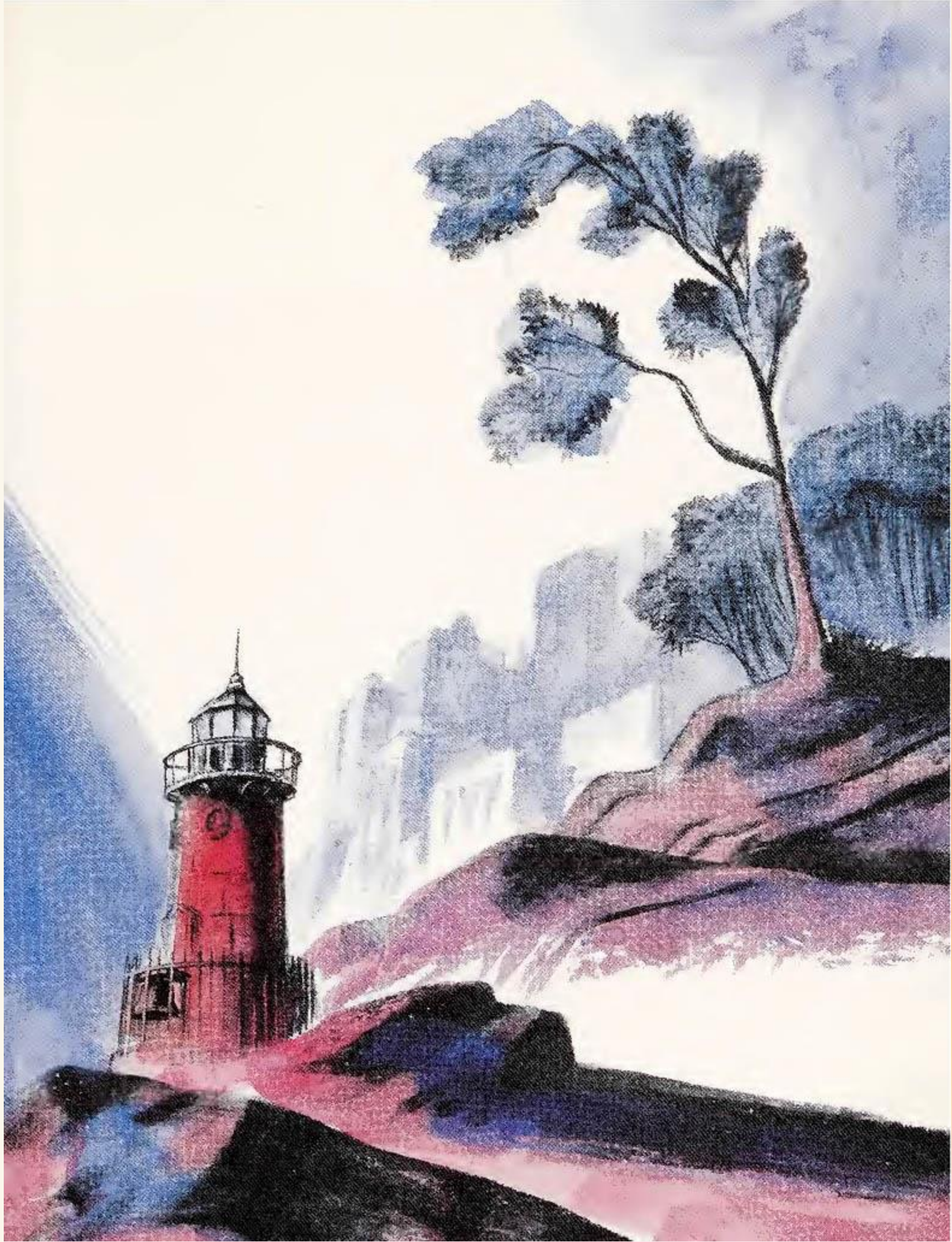
लाइटहाउस गोल, मोटा और लाल रंग का था.

लाइटहाउस, मोटा, लाल और खुशमिजाज था.

और उसे अपने ऊपर बहुत गर्व था.



लाइटहाउस के पीछे न्यूयॉर्क शहर था,
जहाँ बहुत से लोग रहते थे.

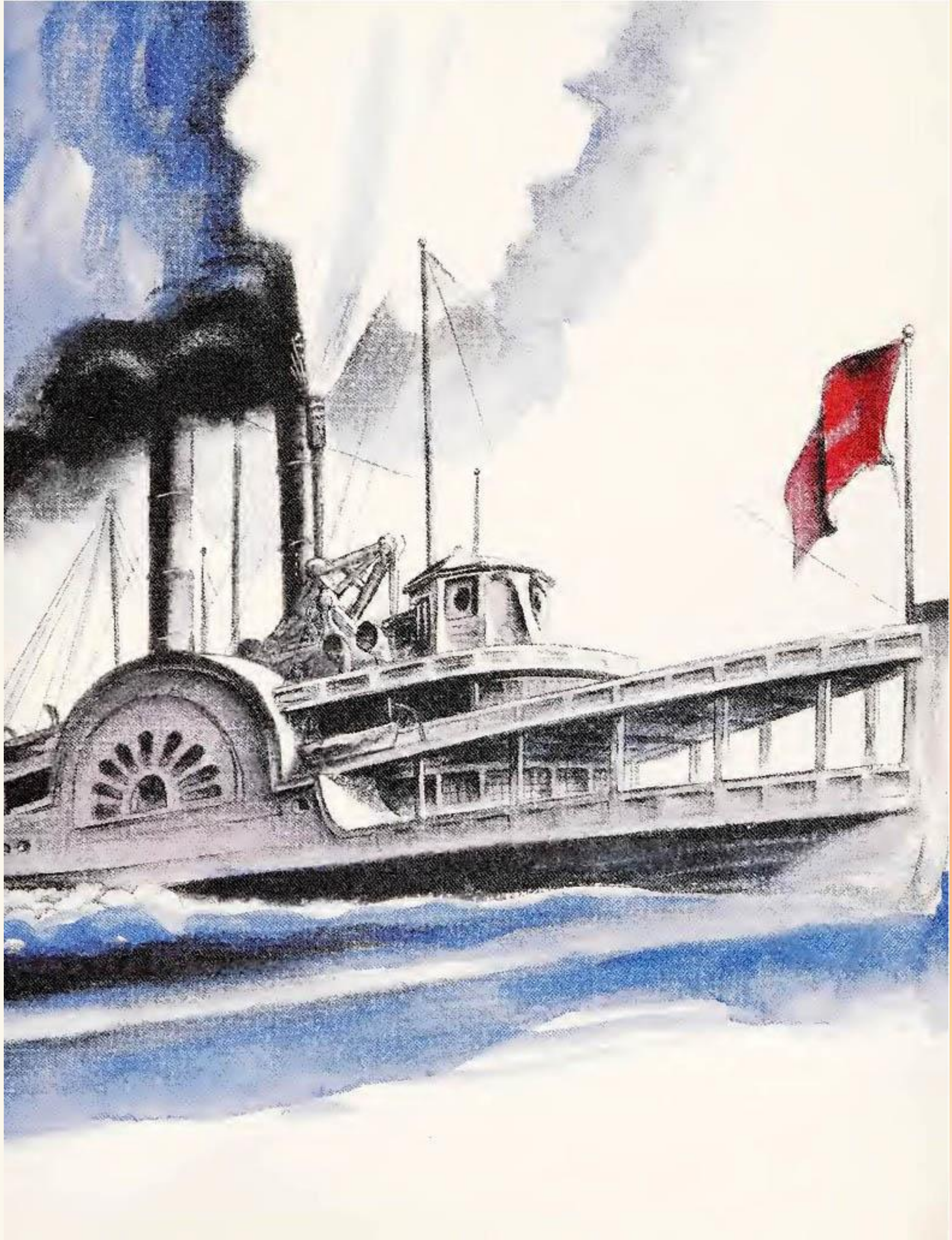


लाइटहाउस के सामने वे नावें चलती थीं, जिन पर लोग सवार होते थे. नदी पर नावें ऊपर-नीचे, ऊपर-नीचे चलती थीं. नदी लगातार आगे-आगे और आगे बढ़ती रहती थी. लेक टियर-इन-द-क्लाउड्स से लेकर पहाड़ों में ऊपर तक हडसन नदी बहती थी. कभी वो पहाड़ों से नीचे लुढ़कती थी. कभी नदी लगातार लुढ़कती ही रहती थी. नदी अल्बानी से होकर गुज़रती थी. वो न्यूयॉर्क से होकर गुज़रती थी. फिर अंत में वो समुद्र की तलाश में हमेशा के लिए विलीन हो जाती थी.

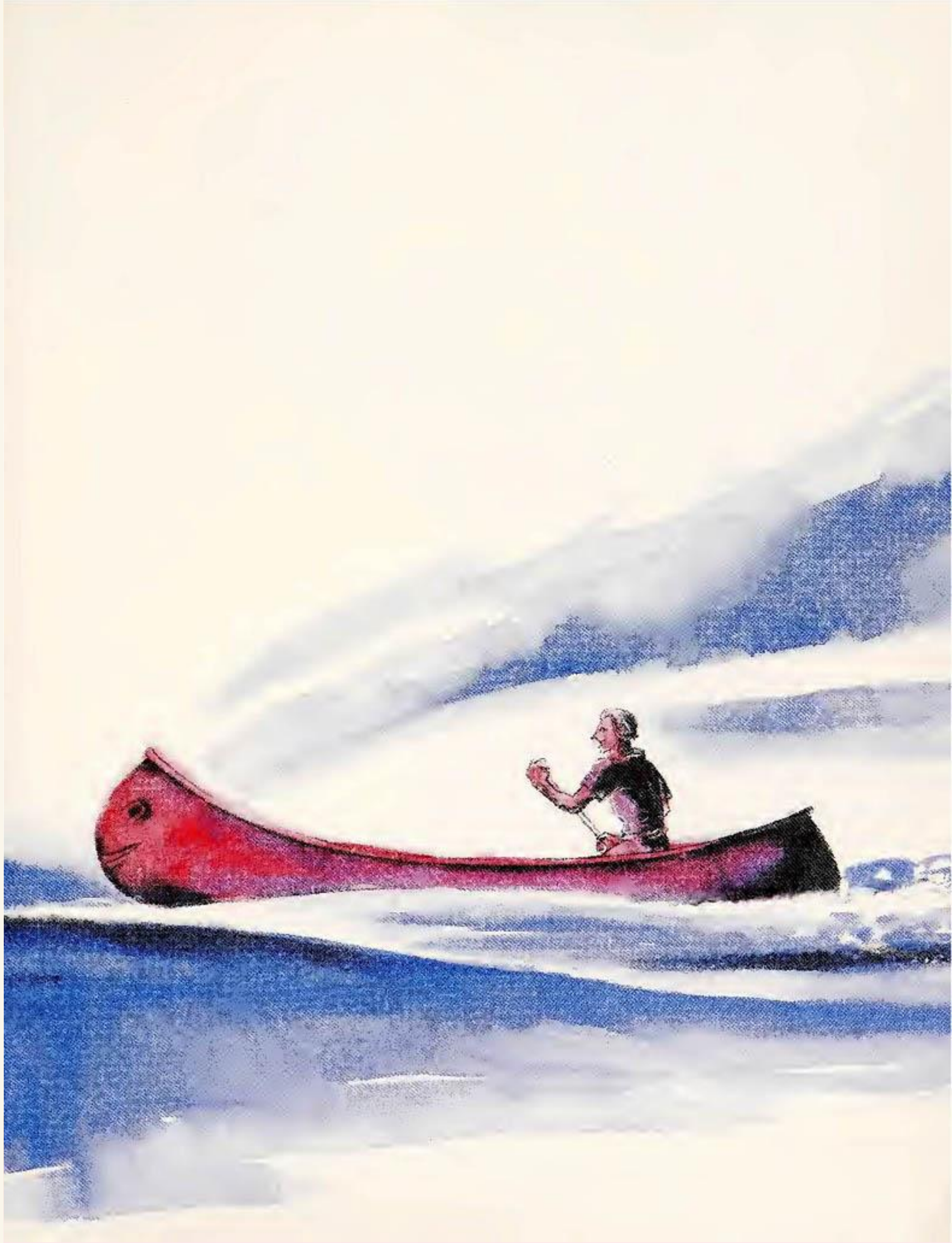


कभी-कभी नदी पर गुज़रती हुई नावें उस छोटे लाल लाइटहाउस से बात करती थीं.

“हूट, हूट, हूट! आप कैसे हैं?” बड़े स्टीमर अपनी गहरी, गले से निकलने वाली सीटी के साथ पूछता था.



“आपको सलाम!” पतली डोंगी,
किनारे पर सरकते हुए तुतलाती थी.

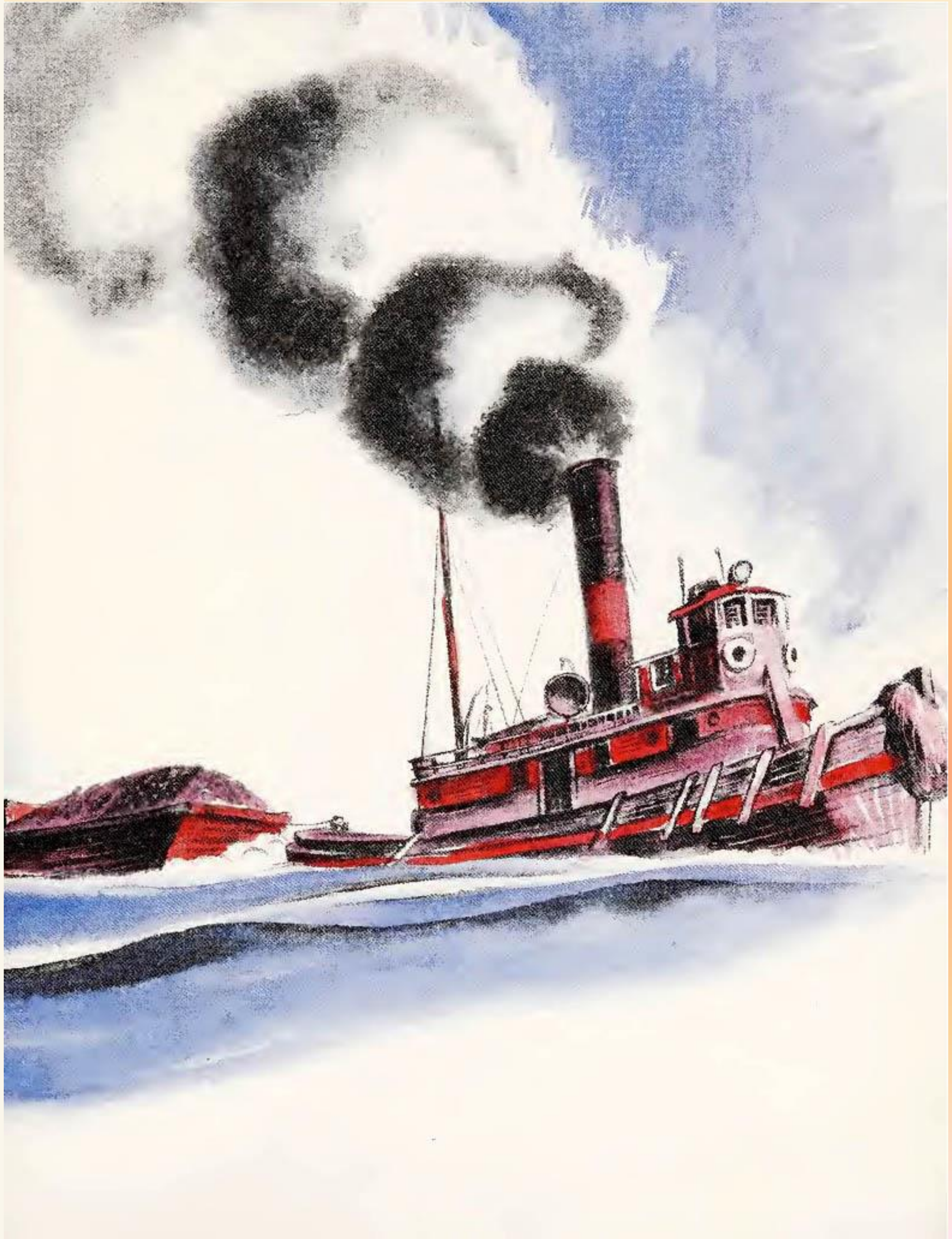


“चुग, चुग, चुग, च-च-चचेवियो!” मोटी, काली नाव बजरे पर कोयले का भार खींचते हुए पुकारती थी.

पर दिन के समय छोटा लाल लाइटहाउस उनकी बातों का कोई जवाब नहीं देता था.

जब नावें पुकारती थीं तो वो एकदम शांत रहता था.

वो एकदम स्थिर रहता था.



लेकिन हर रात, अंधेरा होते ही, एक आदमी उस छोटे लाल लाइटहाउस की देखभाल करने आता था. वो अपनी जेब से झनझनाती हुई चाबियों का एक गुच्छा निकालता था. फिर वो छोटे लाइटहाउस के लाल दरवाजे को खोलता था. उसके बाद वो उसकी खड़ी और घुमावदार सीढ़ियों पर चढ़ता हुआ, ऊपर, ऊपर, ऊपर, सबसे ऊपर तक चढ़ता था. फिर वो अपनी मोटी सफेद टोपी उतारता था जो दिन के समय सोने में उसकी मदद करती थी. अंत में वो एक अजीब सी छोटी काली चाबी से गैस को चालू करता था.

उससे नीचे छह लाल टैंकों से ऊपर, ऊपर, ऊपर, गैस बहने लगती थी.



उसके बाद ही छोटा लाल लाइटहाउस साफ-साफ बोलता था:

फ़्लैश! फ़्लैश! फ़्लैश!

एक सेकंड चालू, दो सेकंड बंद! सावधान! मुझे देखते रहो! ख़तरा, ख़तरा, ख़तरा!

मेरे आसपास के चट्टानों को देखो! और उनसे दूर रहो!

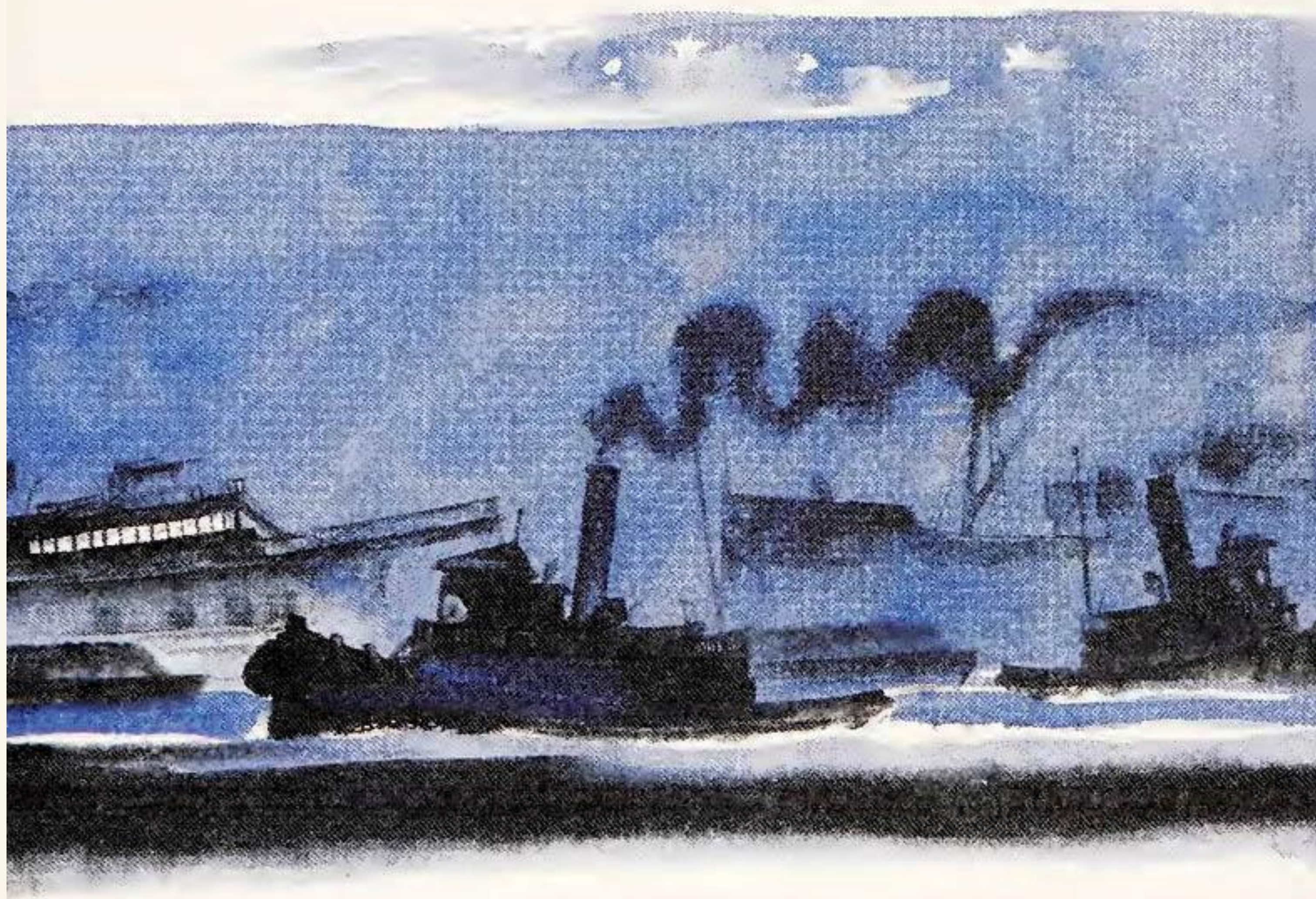
फ़्लैश! फ़्लैश! फ़्लैश!

तब लाइटहाउस खुद को बड़ा उपयोगी और महत्वपूर्ण महसूस करता था. देखो, वो सारी नावें मेरे बिना भला क्या करतीं? वो सोचता था.

इससे वो बहुत गर्व महसूस करता था.



नावें लाइटहाउस की रोशनी को देखती और उससे खुद सुरक्षित रहती थीं. नावें, लाइटहाउस को देखकर चैनल पर ही रहती थीं. सभी नावें छोटे, लाल लाइटहाउस की आभारी थीं.



कभी-कभी नदी में कोहरा छा जाता था. फिर वह आदमी छोटे लाल लाइटहाउस के अंदर एक बड़ी काली घड़ी की चाभी को घुमाता था. वो चाभी को बहुत देर तक घुमाता था. उस घड़ी को बाहर की तरफ एक लोहे की घंटी से जोड़ा गया था.

फिर घंटी बजने लगती थी:

चेतावनी! चेतावनी! वो चिल्लाती.

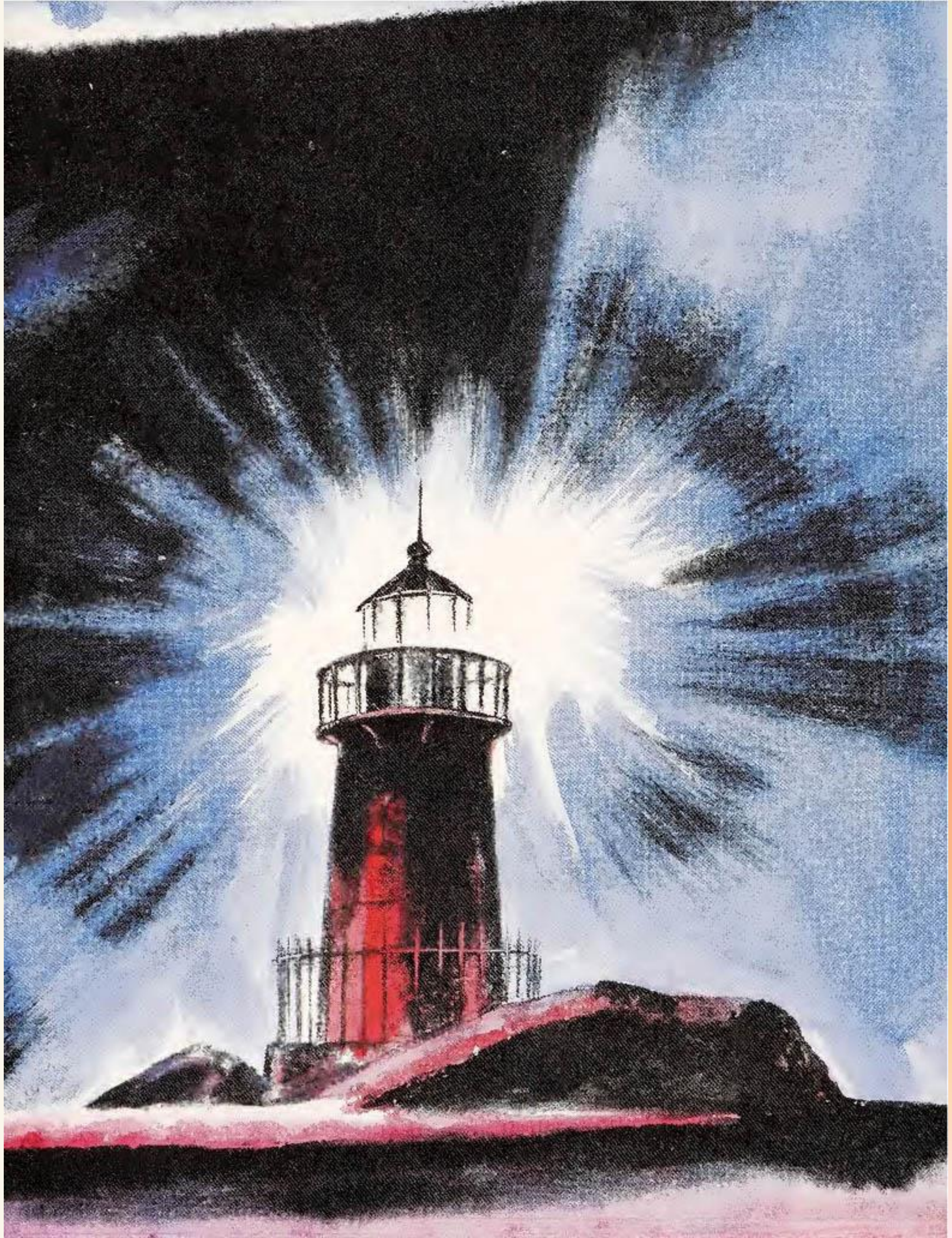
फ़्लैश! रोशनी कहती.

चेतावनी! घंटी चिल्लाती.

छोटे लाल लाइटहाउस में तब दो आवाज़ें थीं.

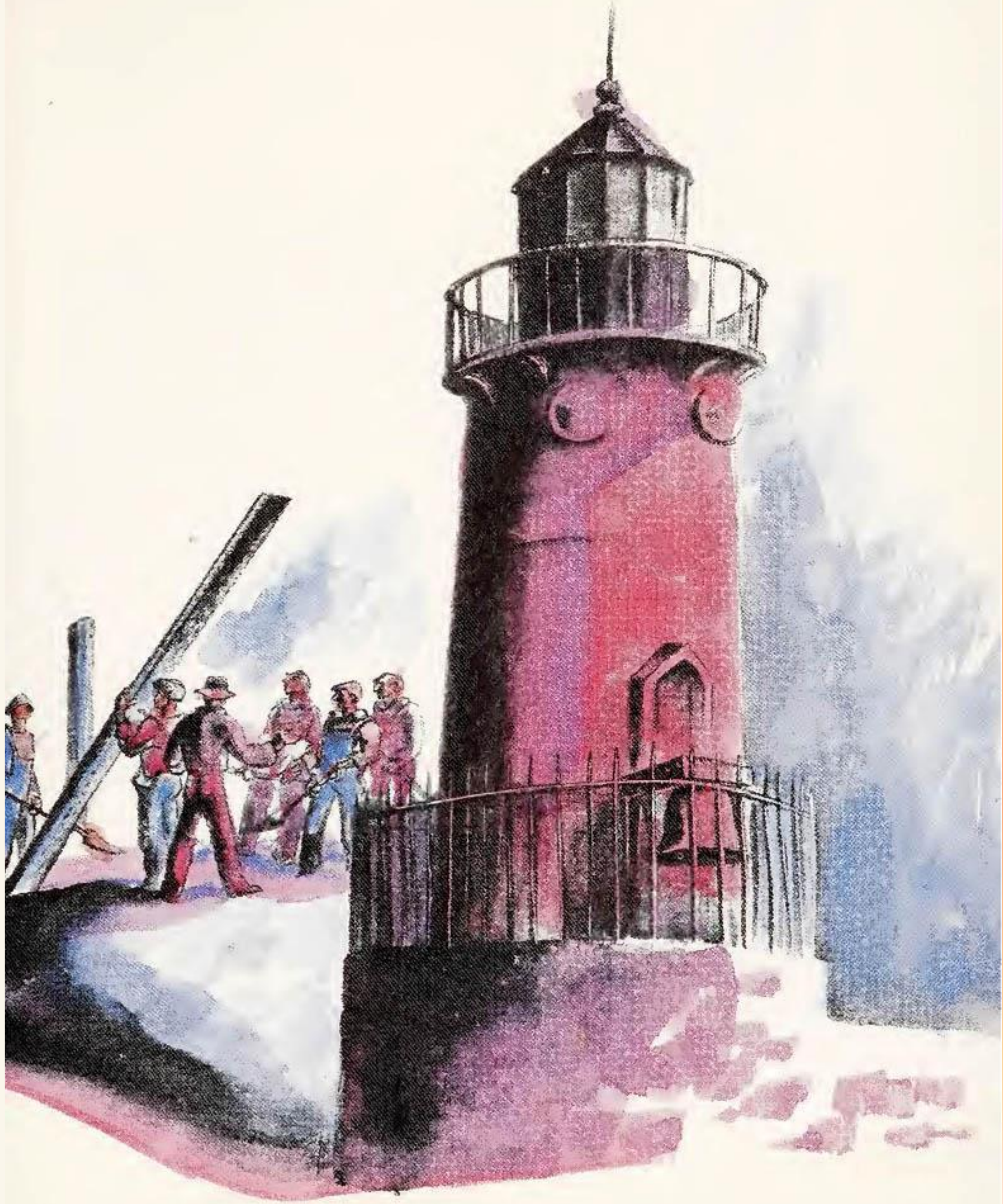
हर दिन लाइटहाउस खुद को बड़ा और गर्वित महसूस करता था.

देखो, मैं नदी का स्वामी हूँ, वो सोचता था.



फिर एक दिन मज़दूरों का एक समूह आया और वो खुदाई करने लगा.

उन्होंने खोदा और खोदा और खोदा.



धीरे-धीरे बड़े-बड़े स्टील के गर्डर
आसमान की ओर उठने लगे.



हडसन नदी के पार एक बजरे पर लोगों के एक बड़े समूह को ले जाया गया. बजरे के उस पार चार बड़ी रीलें थीं और प्रत्येक रील से एक पतली चांदी की लाइन जैसी निकल रही थी.

उसके बाद से नदी पर सभी नावें ने चलना बंद कर दिया.

आस-पास की सभी नावें वो नजारा देखने के लिए मुड़ीं.

यहां तक कि अब नदी भी बहुत शांत लग रही थी.



जब वे लोग वापस लौटे, तो वे खुश लग रहे थे.

"पहली वाली सारे केबल खत्म हो गए हैं," उन्होंने पुकारा.
"कैटवॉक यानि पुल जल्द ही बन जाएगा."

वो सुनकर दूसरे लोग चिल्लाए

"हुर्रे!"

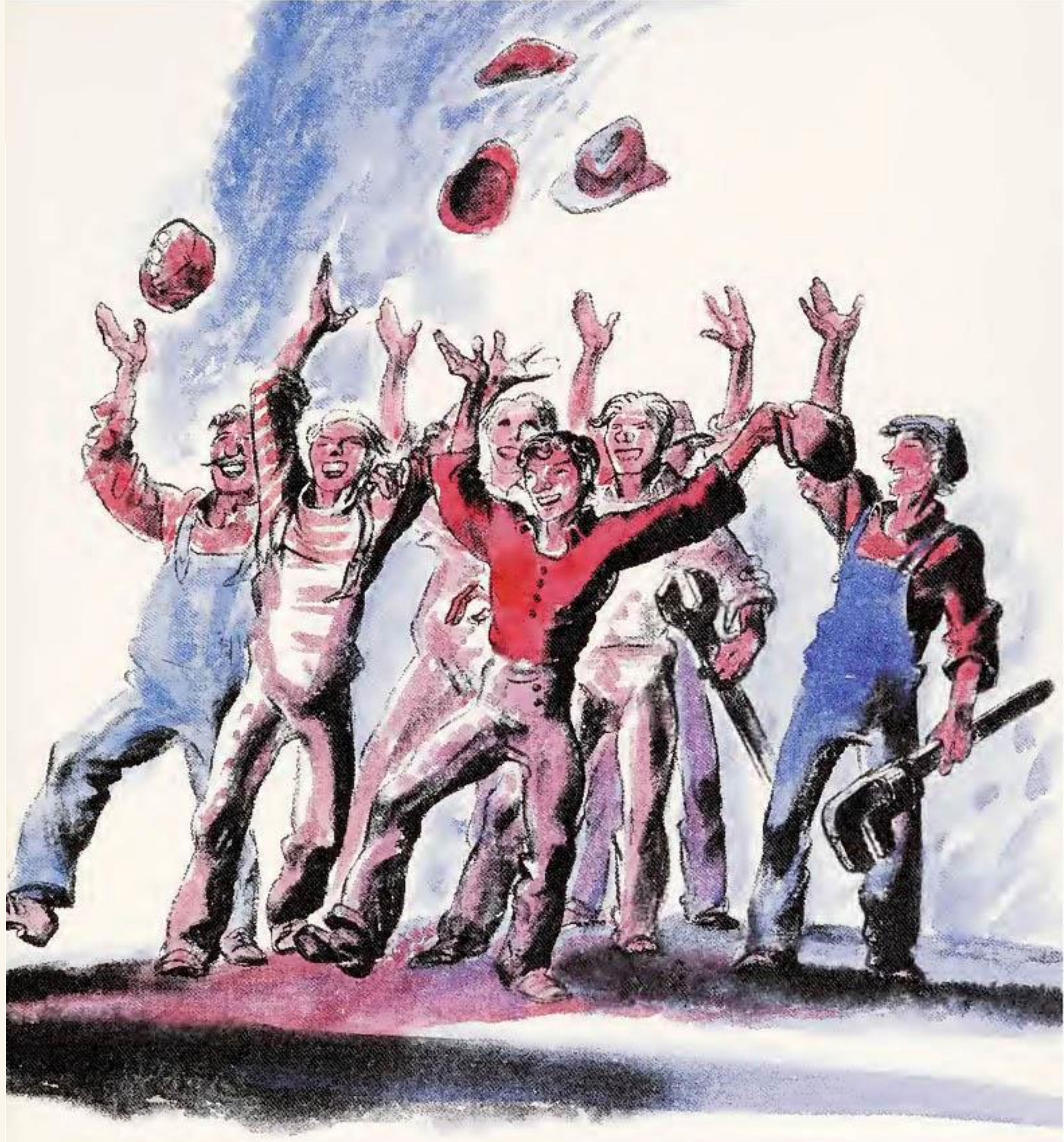
उनका क्या मतलब होगा? छोटे लाल लाइटहाउस ने सोचा.

वे तार या केबल्स जो खत्म हो गए हैं,
आखिर वे क्या बला हैं?

फिर दिन और सप्ताह बीतते गए.

हर रात छोटा लाइटहाउस साफ-साफ बोलता था.

फ़्लैश! फ़्लैश! फ़्लैश!



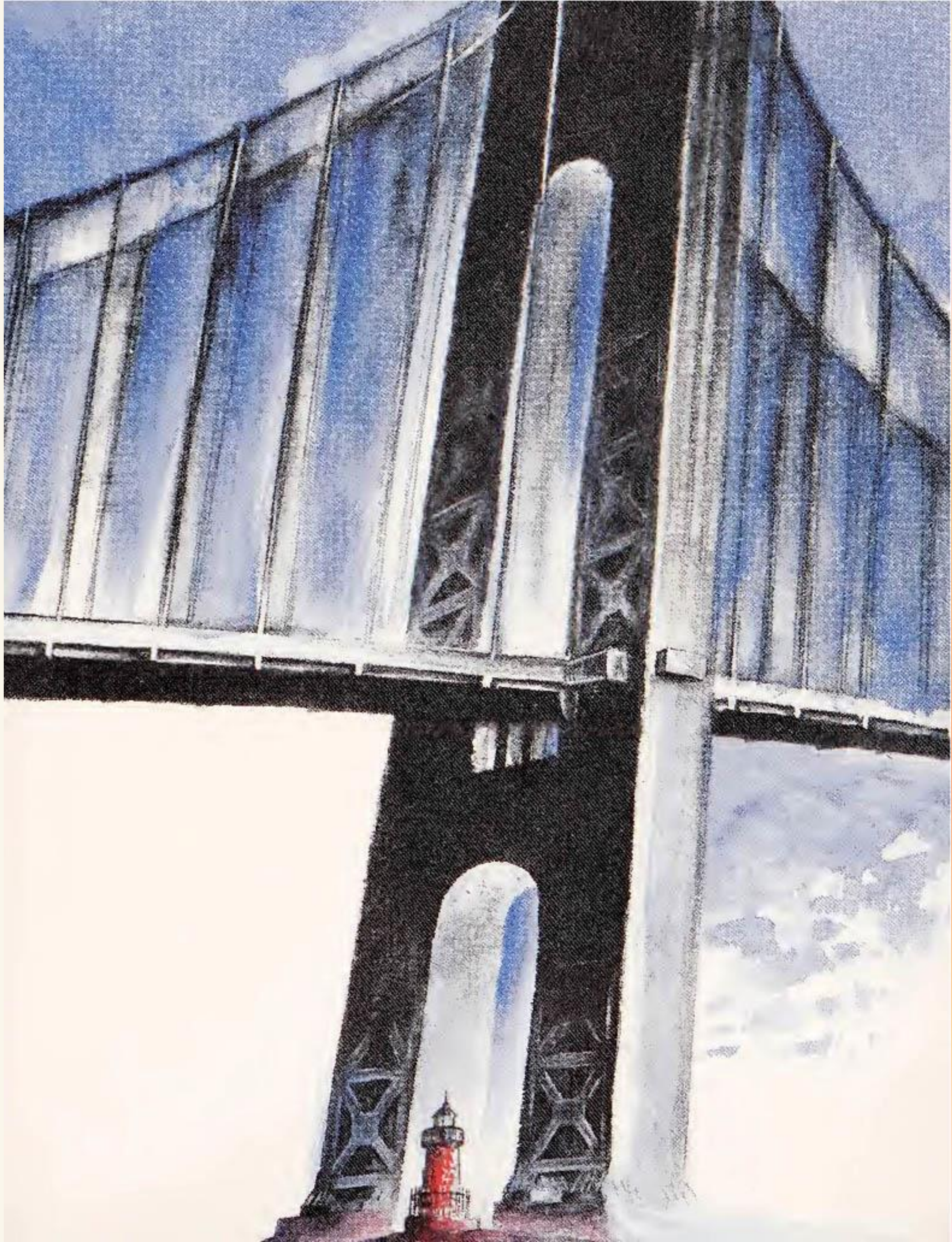
हर दिन लाइटहाउस अपने बगल में अजीब नई सिलेटी चीज़ को बढ़ते हुए देखता था. विशाल मीनारें आसमान को छूती हुई लगती थीं. स्टील के तारों के मजबूत लूप नदी के पार बहते हुए दिखते थे.

वो कितना बड़ा था!

वो कितना अद्‌भुत था!

वो कितना शक्तिशाली था!

फिर एक बड़ा सिलेटी पुल, हडसन नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक फैल गया. उस विशाल पुल ने छोटे लाल लाइटहाउस को बहुत, बहुत छोटा महसूस कराया.



फिर एक रात सबसे नज़दीकी सिलेटी मीनार के ऊपर से प्रकाश की एक बड़ी किरण चमकी.

फ्लैश! फ्लैश! फ्लैश!



अब किसी को मेरी ज़रूरत नहीं है, छोटे लाल लाइटहाउस ने सोचा. मेरी रोशनी बहुत मंद है और उसका प्रकाश बहुत तेज़ है!

शायद वे मुझे छोड़ देंगे.

शायद वे मुझे तोड़ देंगे.

शायद वे मेरी रोशनी को चालू करना ही भूल जाएँगे!

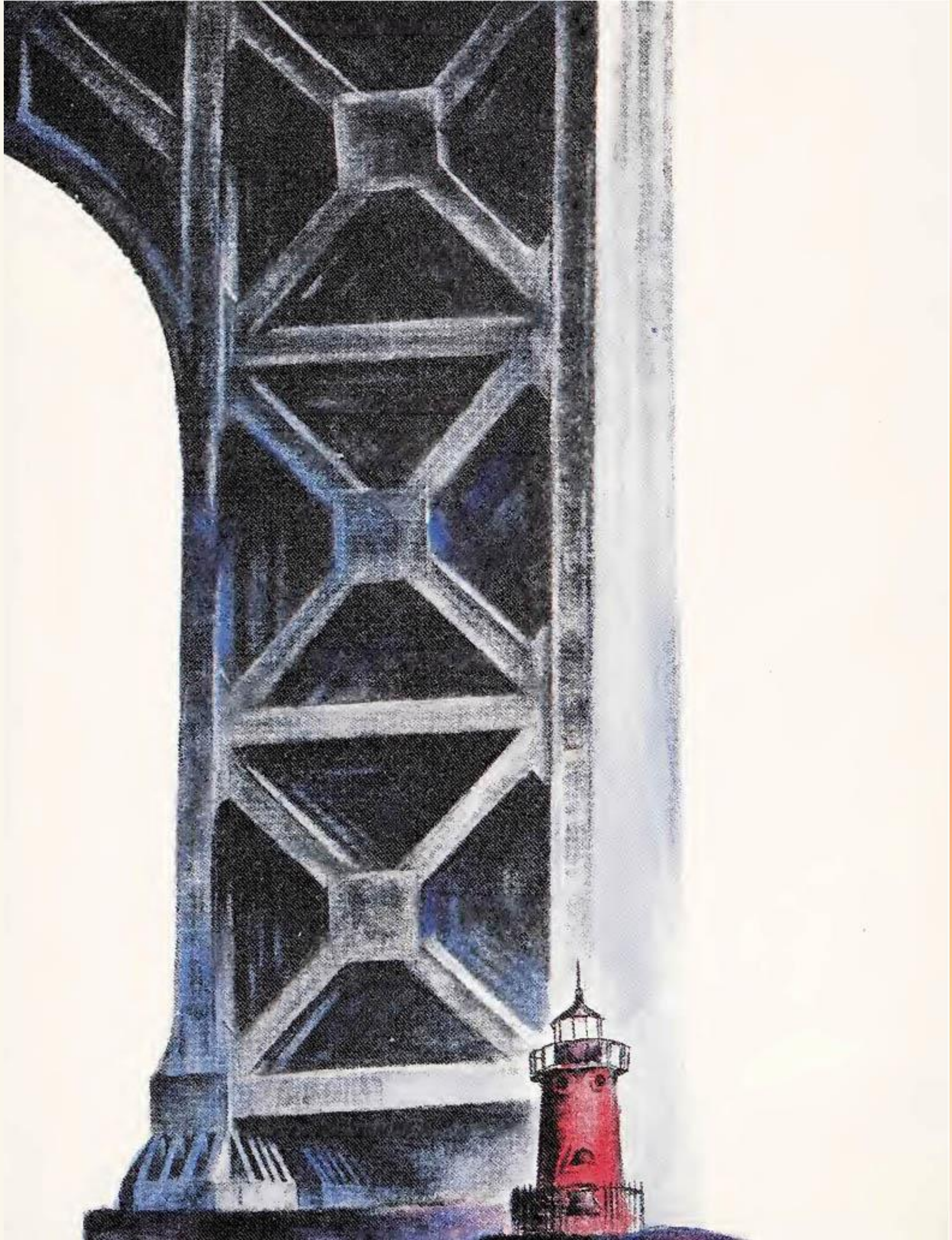
उस रात लाइटहाउस इंतज़ार करता रहा और रोता रहा.

उसे काफी उदास, बेचैन और अजीब सा लगा.

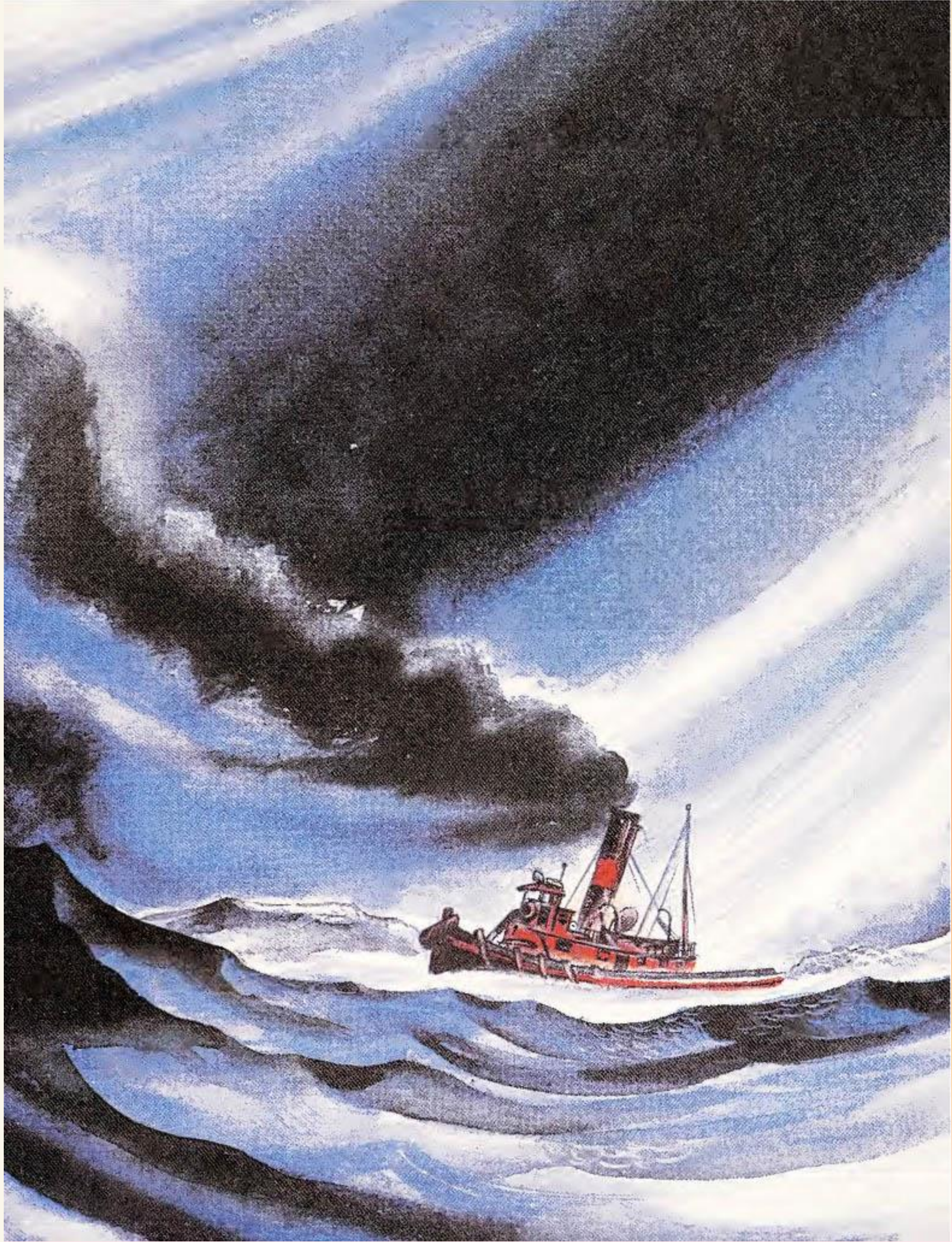
रात और भी गहरी होती गई.

लाइटहाउस वाला आदमी क्यों नहीं आया?

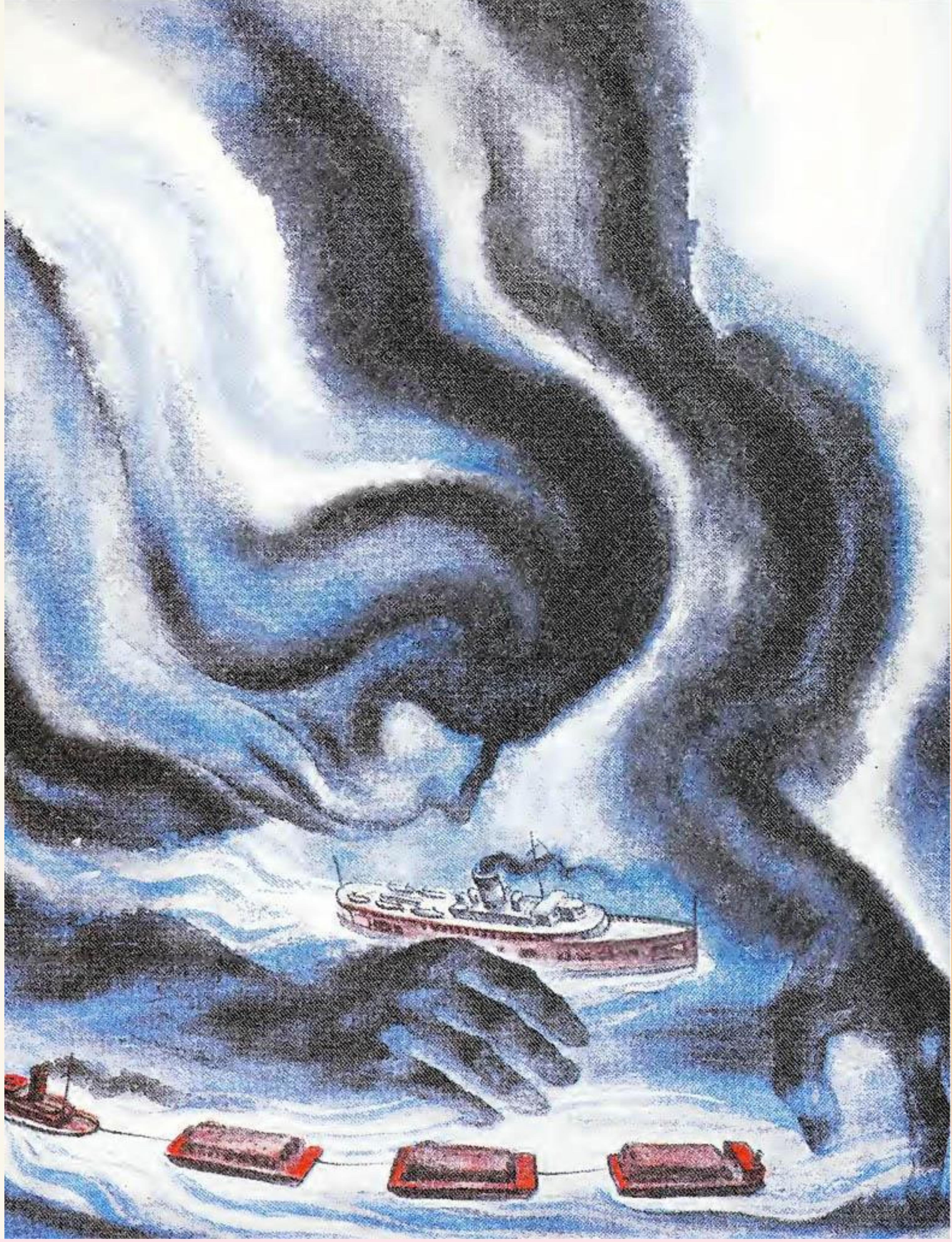
अब छोटा लाल लाइटहाउस न तो बोल सकता था और न ही वो चमक सकता था.



फिर आधी रात को तूफ़ान आया. तेज़ हवा कराहने लगी. ऊंची लहरें किनारे से टकराने लगीं.



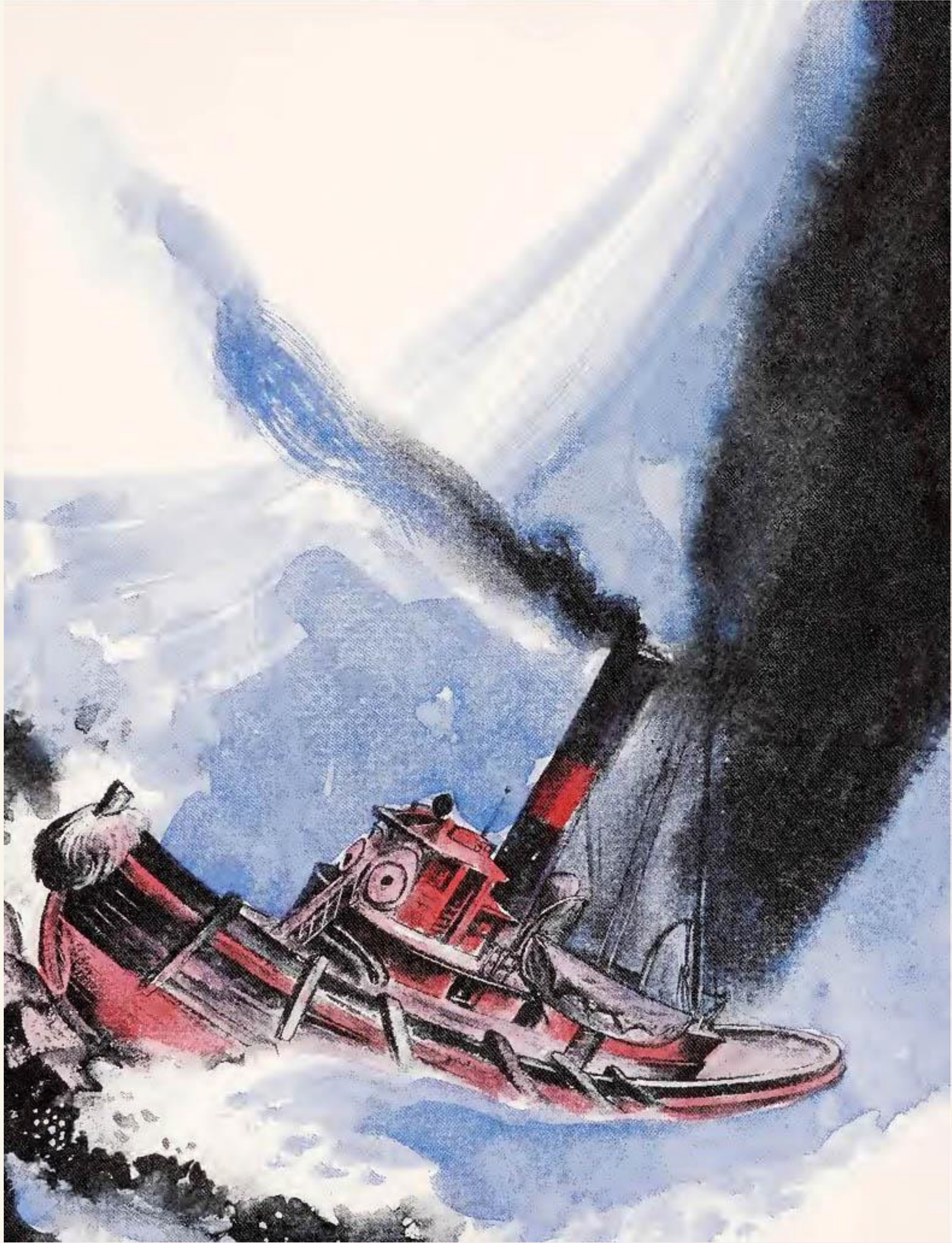
नदी पर घना कोहरा छा गया और कोहरे ने एक-एक करके नावों पर छाने की कोशिश की.



एक मोटा काला टग अल्बानी से वापस आ रहा था. कोहरे ने उसे जकड़ लिया और उसे लगभग अंधा बना दिया. उसने छोटे लाल लाइटहाउस की तलाश की, लेकिन काला टग, उसे नहीं पा सका. उसने घंटी की आवाज़ सुनने की कोशिश की, लेकिन वह उसे सुन नहीं सका. कोहरा इतना घना था कि वह बड़े भूरे पुल से ऊपर फ़्लैश करती रोशनी तक को नहीं देख सका.

टक्कर! टक्कर! टक्कर!

मोटा काला टग, चट्टानों से टकराया और फिर टूटकर बिखर गया.

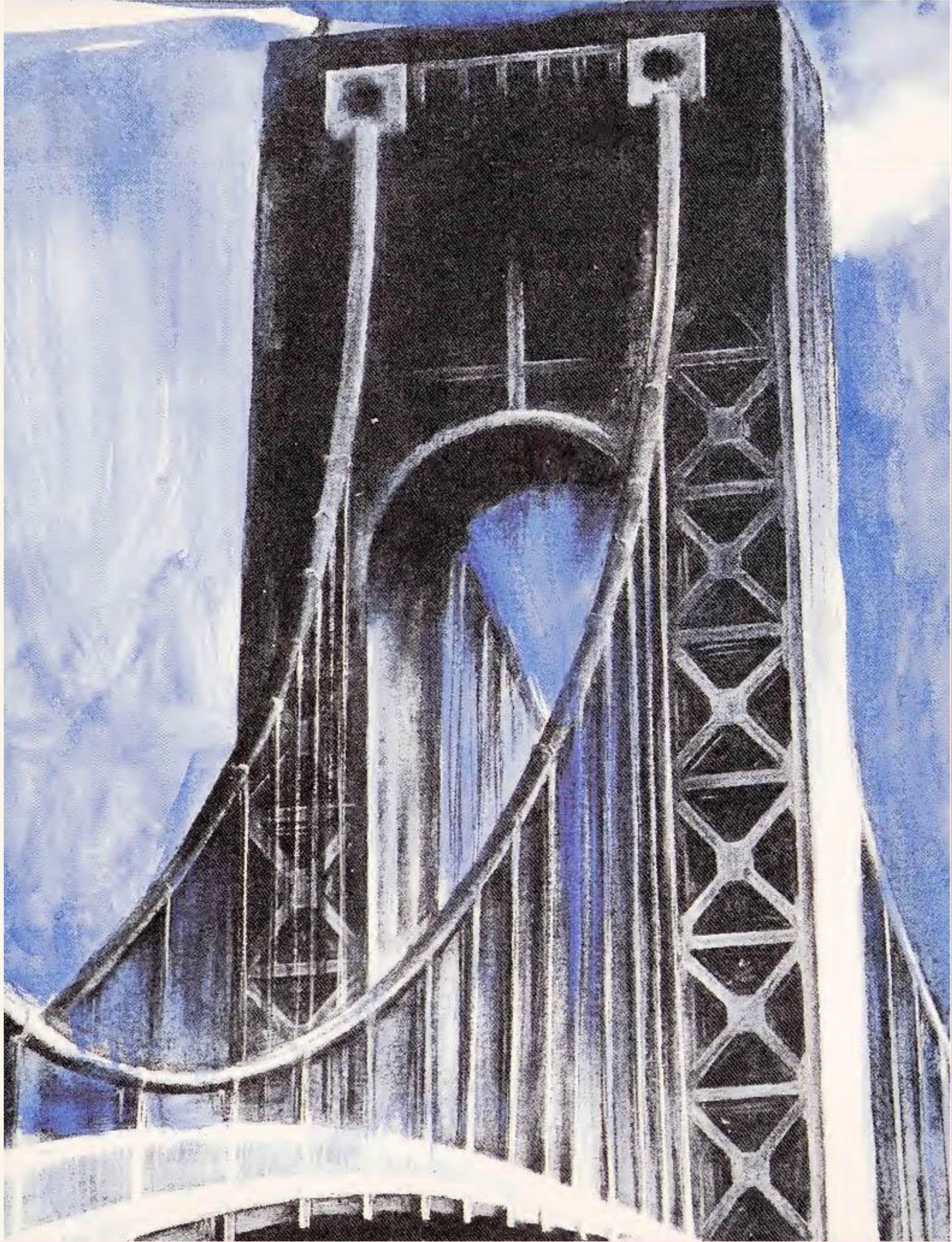


फिर बड़े भूरे पुल ने छोटे लाल लाइटहाउस से बात की:

"छोटे भाई, तुम्हारी रोशनी कहाँ है?"

"क्या मैं तुम्हारा भाई हूँ, पुल?" लाइटहाउस ने आश्चर्य से पूछा. "तुम्हारी रोशनी इतनी तेज थी कि मुझे लगा कि अब मेरी और ज़रूरत ही नहीं होगी."

“मैं हवाई जहाजों को सावधान करता हूँ,” पुल चिल्लाया, “मैं हवाई जहाजों के लिए चमकता हूँ. लेकिन तुम अभी भी नदी के मालिक हो. जल्दी करो, अपनी रोशनी फिर से चमकाओ. हम में से हर किसी का अपना-अपना रोल है, छोटे भाई!”



इसलिए छोटे लाल लाइटहाउस ने एक बार फिर चमकने की कोशिश की, लेकिन हालाँकि उसने बहुत कोशिश की, लेकिन वह खुद को चालू नहीं कर सका.

यह मेरा अंत है, उसने सोचा.

यह वास्तव में मेरा अंत है.

मेरा आदमी नहीं आएगा. मैं खुद को चालू नहीं कर सकता. बहुत संभावना है कि मैं फिर कभी नहीं चमक पाऊँ.

लाइटहाउस अंधेरे में खामोश खड़ा था.

और यह एक बहुत-बहुत दुखद बात थी.



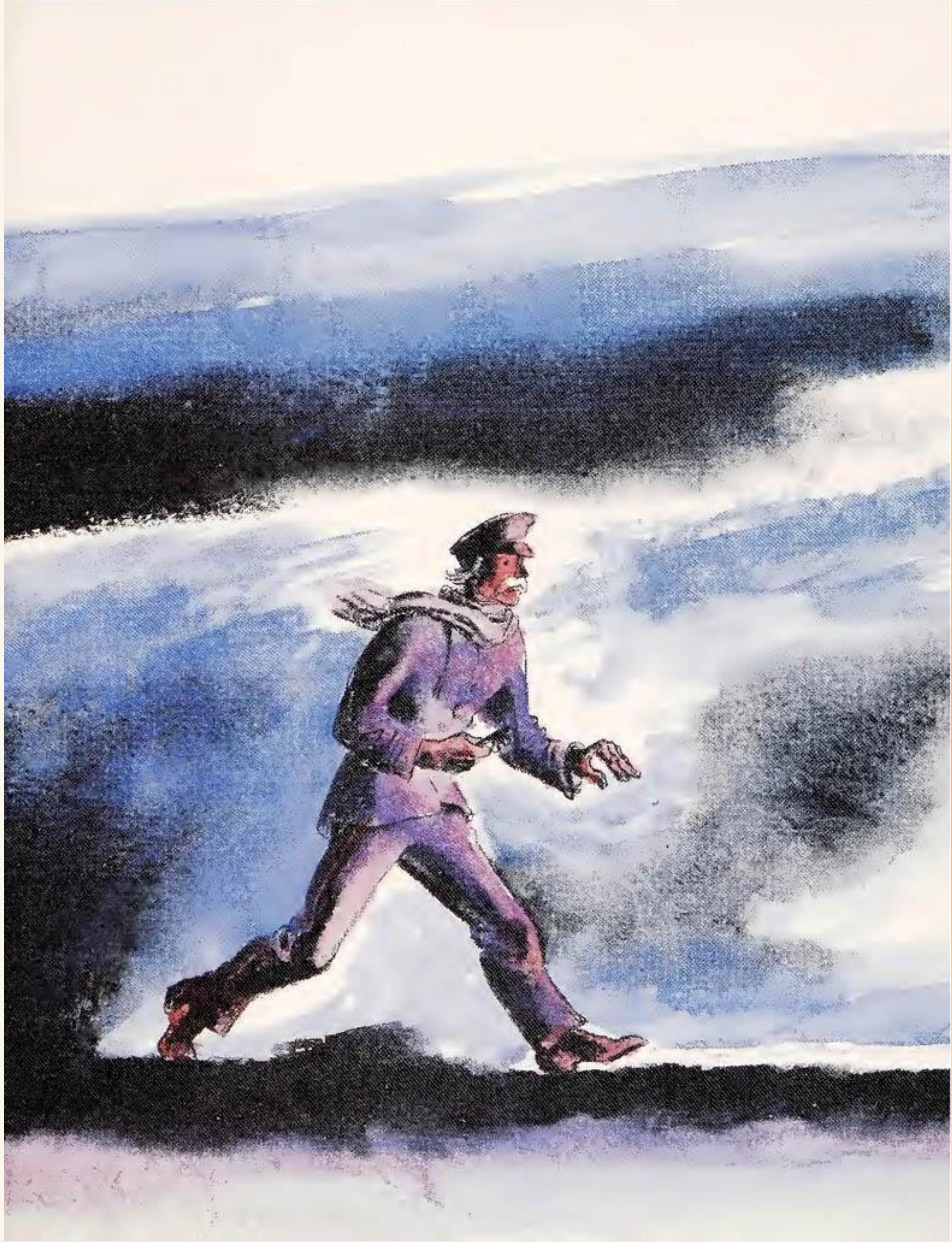
लेकिन आखिरकार उसने नीचे वाले दरवाज़े को खुलते हुए सुना. आखिरकार उसने सीढ़ियों से ऊपर की ओर बढ़ते कदमों की आवाज़ सुनी.

क्यों, क्या उसका आदमी जल्दी से उसे संभालने के लिए आ रहा था.

"तुम कहाँ थे, यार? मुझे लगा तुम कभी नहीं आओगे?"

"ओह, वो लड़के! वो शैतान लड़के! उन्होंने मेरी चाबियाँ चुरा लीं थीं!

देखो, फिर से ऐसा कभी नहीं होगा!"



अब छोटे लाल लाइटहाउस को इतना ज़रूर पता चल गया था कि लोगों को उसकी ज़रूरत थी.

पुल को उसकी ज़रूरत थी.

आदमी को उसकी ज़रूरत थी.

शायद जहाजों को अभी भी उसकी ज़रूरत हो.

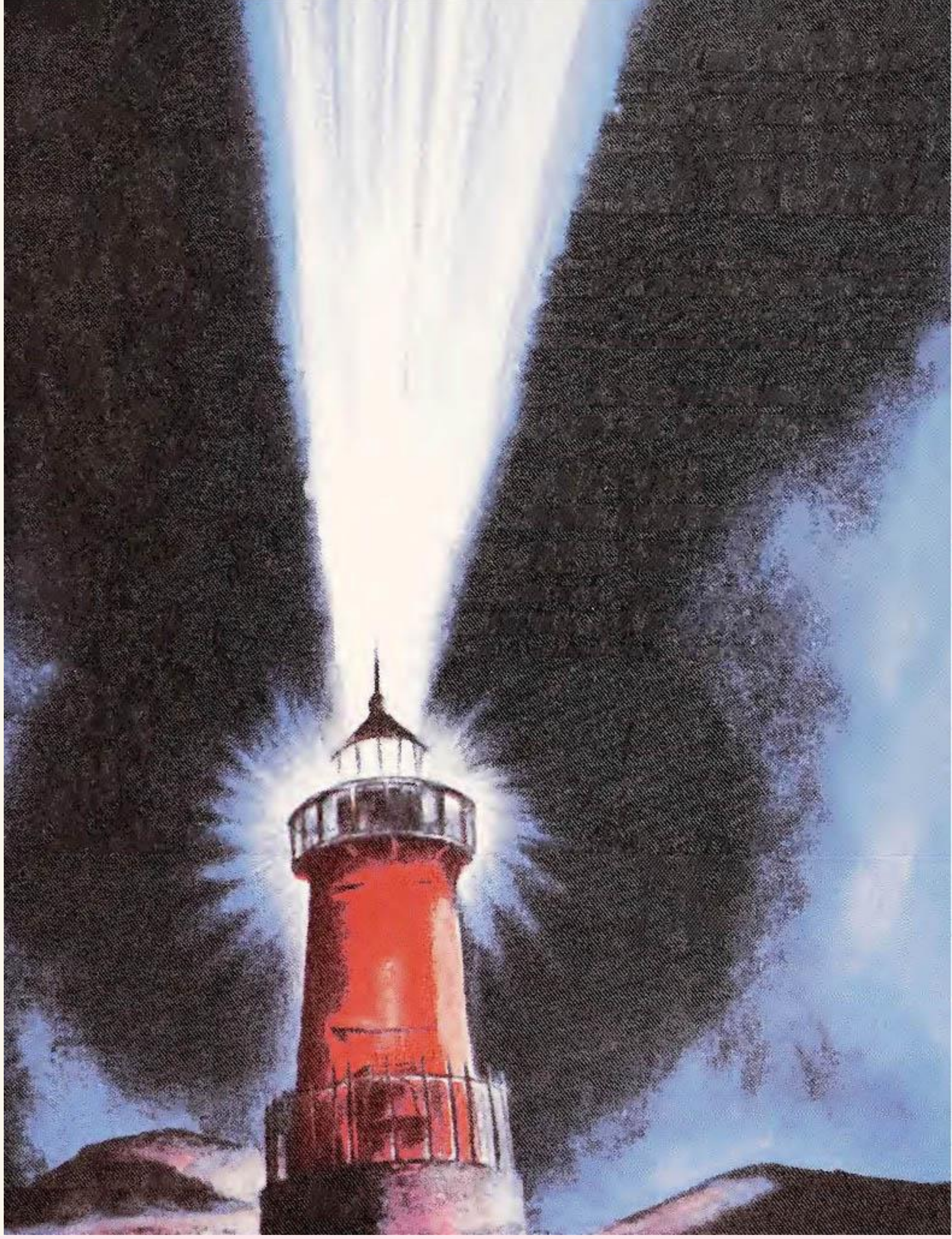
फिर उसने रात में एक तेज़, चमकीली, दूर जाने वाली किरण भेजी.

एक सेकंड चालू, दो सेकंड बंद!

फ़्लैश, फ़्लैश, फ़्लैश!

देखो! ख़तरा है! मुझे देखो! उसने पुकारा.

जल्द ही उसकी घंटी भी गूंजने लगी.



चेतावनी! सावधान! उसने पुकारा.

छोटे लाल लाइटहाउस के पास अभी भी काम था.
और यह सोचकर वो खुश था.

और अभी भी स्टील के पुल के बड़े प्रकाश स्तंभ के बगल में उस छोटे, लाल लाइटहाउस की छोटी किरण अभी भी चमकती है. विशाल सिलेटी पुल के बगल में लाइटहाउस अभी भी बहादुरी से खड़ा है. हालाँकि अब वो जानता है कि वो छोटा है, फिर भी उस इस बात का बड़ा गर्व है.



और हर दिन न्यूयॉर्क शहर में रिवरसाइड ड्राइव पर जाने वाले लोग उसे देखने के लिए उमड़ पड़ते हैं. क्योंकि वहाँ वे दोनों खड़े हैं - विशाल सिलेटी पुल और छोटा लाल लाइटहाउस.

अगर आपको यकीन न हो, तो आप खुद जाकर उसे देख सकते हैं!

इतिहास के झरोखे से

1880 में कच्चे लोहे और स्टील से निर्मित, वास्तविक छोटा लाल लाइटहाउस मूल रूप से न्यू जर्सी के सैंडी हुक में, नॉर्थ हुक बीकन के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के तट रक्षक की सेवा करता था. 1921 में उसे हडसन नदी के न्यूयॉर्क तट पर फोर्ट वाशिंगटन पार्क में स्थानांतरित कर दिया गया. फिर वो जेफरीज़ हुक लाइटहाउस बन गया - मैनहट्टन द्वीप पर स्थित एकमात्र लाइटहाउस. 1932 में जॉर्ज वाशिंगटन ब्रिज के खुलने पर उसे बंद कर दिया गया. 1951 में न्यूयॉर्क टाइम्स में सार्वजनिक आक्रोश और संपादकीय लेखों ने लाइटहाउस की नीलामी को रोकने में मदद की; उसके बजाय उसे न्यूयॉर्क शहर को दे दिया गया. हालांकि, नियमित उपयोग के बिना, यह जीर्ण-शीर्ण हो गया - उसका कंक्रीट आधार टूट गया, उसकी रोशनी की किरण बंद हो गई. इसलिए उसके दरवाजे वेल्ड करके बंद कर दिए गए. लगभग तीस साल बाद, लाइटहाउस को ऐतिहासिक स्थानों के राष्ट्रीय रजिस्टर में जोड़ा गया. 1980 के दशक में उसका जीर्णोद्धार हुआ और 1991 में उसे शहर का ऐतिहासिक स्थल घोषित किया गया. और 2002 में, "द लिटिल रेड लाइटहाउस और द ग्रेट ग्रे ब्रिज" पुस्तक के प्रकाशन की साठवीं वर्षगांठ के अवसर पर, 1947 से अंधेरे में पड़े इस लाइटहाउस को एक नए लेंस से सुसज्जित किया गया, ताकि उसकी रो\शनी एक बार फिर हडसन नदी के पानी पर चमक सके.